## राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
## राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, उ0प्र0
## भ्रमण आख्या

**भ्रमण जनपद का नाम** – सहारनपुर

**भ्रमण टीम के अधिकारियों के नाम** – 1–डा0 विकास सिंहल, महाप्रबंधक (आर0आई0)
2–डा0 अर्पित श्रीवास्तव, परामर्शदाता (आर0आई0)
3–मोहम्मद फिरोज, पी0सी0 (आर0बी0एस0के0),

**भ्रमण दिनांक** – 9–12 मई, 2017

**भ्रमण स्थान** – 1. एस0 बी0 डी0 जिला महिला चिकित्सालय,
2. सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र– गंगोह ,
3. सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र–नानोता,
4. सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र,–नांगल,
5. मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यलाय,

**भ्रमण का उद्देश्य** – सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु।

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में उपरोक्त अधिकारियों द्वारा दिनांक 9–12 मई, 2017 को जनपद सहारनपुर का भ्रमण किया गया। भ्रमण में पाये गये बिन्दु निम्नवत हैं–

1. **एस0बी0डी0 जिला महिला चिकित्सालय** (दिनांकः 10 मई, 2017)

- भ्रमण के दौरान समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।
- अस्पताल परिसर में साफ सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी।
- महिला चिकित्सालय में औसतन 15 से 20 डिलीवरी प्रतिदिन होती है. केंद्र का लेबर रूम मानक (10 X 10 फिट$^2$ प्रति लेबर टेबल) से काफी छोटा है साथ ही कोरिडोर में लेबर टेबल डालकर प्रसव कराए जा रहे थे। अधीक्षक डा0 ममता सोधी से वार्तालाप के दौरान ये तथ्य सामने आया कि केंद्र के समीप एक 100 बेड अस्पताल तैयार हो चुका है, किन्तु मानक पूर्ण न होने के कारण अभी तक अस्पताल हस्तांतरित नहीं किया गया है। वर्तमान में प्रसव से सम्बंधित समस्त सेवा, पुराने केंद्र पर दी जा रही हैं।
- लेबर रूम में ट्रे अथवा प्रोटोकाल पोस्टर्स पर्याप्त मात्र में नहीं लगे थे एवं डिजिटल वाच नही लगा था। महाप्रबंधक आर0 आई0 द्वारा लेबर रूम सेवाओं को बेहतर करने के लिए तथा दवाइयों के रख–रखाव से सम्बन्धित सुझाव दिया गया ।
- लेबर रजिस्टर में क्रमांक संख्या, एम०सी0टी0एस० संख्या, हिपेटाईटिस बी बर्थ डोज की एंट्री सही से नहीं पायी गयी। निर्देशित किया गया कि लेबर रजिस्टर में सही से एंट्री की जाए। पार्टोग्राफ का इस्तेमाल उचित रूप से नहीं किया जा रहा था, निर्देशित किया गया कि स्टाफ का पार्टोग्राफ एवं लेबर रूम से सम्बंधित एक ट्रेनिंग करना सुनिश्चित करें. महाप्रबंधक आर० आई0 द्वारा निर्देशित किया गया कि चिकित्सालय में तैनात चिकित्सालय

प्रबंधक समस्त बिन्दुओं पर अनुश्रवण करें तथा कमियों का विश्लेषण कर अधीक्षक के संज्ञान में लाते हुए उचित कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

- पी०एन०सी० वार्ड में भर्ती मरीजों से, मिल रहे सेवाओं एवं उनके संतुष्टि के आशय से किये गए वार्तालाप में मरीजों ने कर्मचारियों द्वारा किये जा रहे व्यवहार के प्रति काफी रोष व्यक्त किया। उक्त के क्रम में एक मरीज शाहीन, जिसकी डिलेविरी एक दिन पूर्व हुई थी उसने बताया कि परिसर में कार्यरत एक नर्स ने उससे रु० 1500/– की धनराशी ली है, जो काफी चिंतनीय एवं आपत्तीजनक है। ये तथ्य चिकित्सा अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी के संज्ञान में लाते हुए उचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।
- ए0एन0सी0 रजिस्टर का अवलोकन करने पर 80 प्रतिशत से अधिक गर्भवती महिलाएं एनीमिक दर्शायी गयी थी। किन्तु ओ0पी0डी0 में कार्यरत महिला चिकित्साधिकारी को एनीमिया के मैनेजमेन्ट की सही जानकारी नहीं दी। निर्देशित किया गया कि समस्त सम्बन्धित महिला चिकित्साधिकारियों/ए0एन0एम0/स्टाफ नर्स को एनीमिया से सम्बंधित आन द जॉब ट्रेनिंग दी जाए।
- महिला चिकित्सालय में पिछले माह में 322 सीजेरियन द्वारा प्रसव कराए गए थे।
- एस०एन०सी०यू० में 10 बेड हैं जिसमें 8 बच्चे एडमिट पाए गए। एस०एन०सी०यू० में कार्यरत बाल रोग विशेषज्ञ द्वारा ऑक्सिजन कन्सेंट्रेटर की आवश्यकता के बारे में अवगत कराया गया।
- लेबर रूम में न्यूबार्न केयर कार्नर नहीं थे।
- परिसर में अल्ट्रासोनोग्राफी की मशीन जो 2 वर्ष पुरानी है, सही से कार्य नहीं कर रही है।
- बायोमेडीकल वेस्ट मैनेजमेंट आउट सोर्सिंग के माध्यम से किया जा रहा है।

**मण्डलीय वैक्सीन भण्डारण–**

- परिसर में ही डीविजनल वैक्सीन स्टोर एवं डिस्ट्रिक्ट वैक्सीन स्टोर मौजूद है।
- डीविजनल वैक्सीन स्टोर में कन्ट्राक्तुअल रेफ्रीजिरेटर मैकेनिक ने 3 माह पूर्व इस्तीफा दे दिया है। यह पद अब रिक्त है। वैक्सीन स्टोर में समस्त वैक्सीन एवं दस्तावेजों का रख–रखाव संतोषजनक पाया गया।

2. **सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र– गंगोह** –दिनांकः– 11 मई, 2017

- सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र– गंगोह के परिसर में सफाई व्यवस्था संतोषजनक थी। परिसर में एक नया 30 बेड एम० सी० एच० विंग बना है। जिसमें प्रसव सम्बन्धित सेवाएं दी जा रहीं हैं। केंद्र में अधीक्षक डा0 अनवर अंसारी मौजूद थे।
- केंद्र में कार्यरत डा0 नलिनी शुक्ला (एल0एम0ओ0) बिना किसी सूचना के माह सितम्बर, 2016 से नहीं आ रही हैं। जिसके विषय में मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को अवगत कराया गया।
- इमरजेंसी रूम में हाथ साफ करने की व्यवस्था नही थी।

- केंद्र में कार्यरत सम्बंधित महिला चिकित्साधिकारी, आयूष को एनीमिया से सम्बंधित जानकारी में कमी थी।
- केंद्र में कोल्ड चेन प्वाइंट पर 3 आई0एल0आर0 एवं 7 डीप फ्रीजर क्रियाशील अवस्था में पाए गए। दो आइ0एल0आर0 एक ही स्टैब्लाइजर से चलाये जा रहे थे तथा तापमान नियंत्रक लगे हुए थे।
- चिकित्साधिक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि 2 आई0एल0आर0 नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर रखे गए हैं। जिन्हें वापिस सी0एच0सी0 पर स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया।
- 2 आई0एल0आर0 के अन्दर नियमित टीकाकरण से सम्बन्धित वैक्सीन रखी गई थी। जिनका तापमान मानक से अधिक पाया गया। आई0एल0आर0 में वैक्सीन उपलब्ध टोकरी में न रखकर आई0एल0आर0 की सतह पर सटा कर रखी गयी थी। जिसकी वजह से पर्याप्त हवा का प्रवाह न होने के कारण आई0एल0आर0 का तापमान बढ़ गया था। अतः कोल्ड चेन हैण्डलर को निर्देशित करते हुए सभी वैक्सीन केन्द्र पर उपलब्ध तीनों आई0एल0आर0 के अन्दर टोकरी में मानक के अनुसार रखवाई गयी। जिसे बाद में आई0एल0आर0 का तापमान मानक के अन्दर आ गया।
- आर0बी0एस0के0 टीम–ए का निरिक्षण किया गया। निरिक्षण के दौरान टीम के 3 सदस्य उपस्थित थे तथा पैरामेडिकल स्टाफ मोहित अनुपस्थित थे।
- विजन चार्ट को छोड़कर सभी उपकरण उपलब्ध थे।

3. **सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र– नांगल** – दिनांकः–12 मई, 2017

- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नंगल में साफ सफाई थी। केंद्र में अधीक्षक मौजूद थे।
- एक संविदा स्टाफ नर्स, सुश्री कीर्ति वर्मा, 21 मार्च, 2017 से अनुपस्थित चल रही है।
- लेबर रजिस्टर में क्रमांक संख्या, एम०सी0टी0एस० संख्या, हिपेटाईटिस बी बर्थ डोज की एंट्री अधुनान्त नहीं पायी गयी। निर्देशित किया गया कि लेबर रजिस्टर में सही से एंट्री की जाए। पार्टोग्राफ का इस्तेमाल उचित रूप से नहीं किया जा रहा था।
- केंद्र में वैक्सीन कैरियर के अन्दर यू0आई0पी0 वैक्सीन के साथ ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन रखा पाया गया, जो आपत्तिजनक है। भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार यू0आई0पी0 वैक्सीन के साथ अन्य कोई इंजेक्शन नहीं रखा जा सकता है अतः निर्देशित किया गया कि ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन को तत्काल प्रभाव से वैक्सीन कैरियर से हटायें।
- हेड काउन्ट सर्वे अभी चल रहा था, जिसे जल्द ही पूर्ण करने को निर्देशित किया गया।
- कोल्ड चेनः–कोल्ड चेन के अंर्तगत डीप फ्रीजर और आई0एल0आर0 मौजूद हैं। तापमान नियंत्रक आई०एल०आर० पर लगे हुये थे। कोल्ड चेन पॉइंट पर तापमान लागबुक का प्रयोग किया जा रहा था।

4. **मुख्य चिकित्सा अधिकारी** – दिनांक 11 मई, 2017

- मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अध्यक्षता में आयोजित बैठक जिसमें जनपद के समस्त चिकित्सा अधीक्षक उपस्थित थे, में टीम सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया। टीम लीडर महाप्रबंधक आर०आई० द्वारा भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी। समस्त आवश्यक बिन्दुओं पर चर्चा कर उचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

| | | |
|---|---|---|
| ( मोहम्मद फिरोज ) | (डा0 अर्पित श्रीवास्तव) | (डा0 विकास सिंहल) |
| पी०सी०(आर०बी०एस०के०) | परामर्शदाता (आर0आई0) | महाप्रबंधक (आर0आई0) |